

आदर्श प्रश्न- पत्र - 3
संकलित परीक्षा - I
विषय - हिंदी 'अ'
कक्षा - नवमी

निर्धारित समय: 3 घण्टे

अधिकतम अंक: 90

निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं -
खंड क- 20 अंक
खंड ख- 15 अंक
खंड ग - 35 अंक
खंड घ - 20 अंक
2. चारो खंडो के प्रश्नो के उत्तर देना अनिवार्य है।

खंड-क

(अपठित गद्यांश)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर के विकल्प छाँटकर लिखिए -

मीराबाई नाम की महिला भी एक प्रसिद्ध भक्त हुई है। वह राजपूत राजकुमारी थी और मेवाड़ के राज घराने में ब्याही गई थी, लेकिन उन्हें अच्छे कपड़ों का या हीरे-जवाहरात से कोई मोह नहीं था। वह भगवान कृष्ण के ध्यान में डूबी रहती थी, जिनके प्रति उनके मन में अगाध प्रेम था। वह उनकी पूजा करती थी और उन्हीं की भक्ति के गीत रचा करती थी। वह हर समय इन गीतों को गाती रहती थी। मीराबाई के ये भजन भारत भर में गाए जाते हैं। भक्ति का संदेश देश के कोने कोने में फैल गया। इस समय देश में बहुत संत हुए। बंगाल में चैतन्य महाप्रभु नाम के एक संत हुए। महाराष्ट्र में ज्ञानेश्वर और तुकाराम ने जन्म लिया। गुजरात में दादू और नरसी मेहता हुए। यह सब संत जनता की भाषा हीं बोलते और लिखते थे। उन्होंने कहा कि यदि गरीब-से-गरीब और कमजोर-से-कमजोर मनुष्य भी ईश्वर से सच्चा प्रेम करे, तो पंडित और मुल्लाओं की सहायता के बिना ही ईश्वर तक पहुंचा जा सकता है। इस प्रकार भक्तिमार्ग ने स्वयं ही एक धर्म का रूप धारण कर लिया।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

(क) मीराबाई किस राजघराने से संबंधित थी?

- (i) राजा भोज के घराने से
- (ii) मेवाड़ राजघराने से
- (iii) सिंधिया राजघराने से
- (iv) जयचंद के राजघराने से

(ख) मीराबाई के आराध्य कौन थे?

- (i) भगवान श्री राम
- (ii) संत रामानंद
- (iii) भगवान श्रीकृष्ण
- (iv) संत ज्ञानेश्वर

(ग) भक्तिकालीन संतो की रचनाओं की भाषा क्या थी?

- (i) अवधी
- (ii) भोजपुरी
- (iii) बंगाली
- (iv) अपने-अपने क्षेत्र के तत्कालीन भाषा में

(घ) भक्तिकाल के संतो ने ईश्वर तक पहुंचने का कौन-सा मार्ग बताया?

- (i) ईश्वर से सच्चा प्रेम
- (ii) मंदिरों में नित्य पूजा-अर्चना
- (iii) उपवास तथा व्रत
- (iv) कठिन तपस्या

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक विकल्पों में से चुनें ।

- (i) भक्तिकाल के ध्रुव
- (ii) भक्तिकाल
- (iii) विभिन्न भक्ति संत
- (iv) भक्त कवि

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छांटकर खिए-

इस देश में समय-समय पर अनेक देशों से लोग आते रहे हैं । उनके साथ-साथ उनकी भाषाएं, धर्म पोशाक और रहन-सहन का ढंग भी इस देश में पहुंचा है, पर धीरे-धीरे वे सब इस देश की जनता के ही अंग बन गए । भारत में बस जाने पर इन विदेशियों ने भारत के लोगों और उनके रहन-सहन को भी काफी प्रभावित किया । सर्वविदित है कि दिल्ली के सुल्तान और बादशाह तथा भारत के कई दूसरे भागों के शासक मुसलमान थे । उनके सैनिक और दरबारों में रहने वाले विद्वान भी मुसलमान थे । उनके प्रभाव से इस देश के बहुत से लोग मुसलमान बन गए । कई लोगों को विदेशियों की फारसी और अरबी आदि भाषाएं भी सीख ली । उनके रीति-रिवाजों और पहनावे को भी कुछ भारतियों ने अपना लिया । मुसलमान ना होते हुए भी कितने ही लोग मुसलमान फकीरों की इज्जत करते थे । आप ने कबीर, नानक और अकबर के बारे में पढ़ा ही होगा जिन्होंने यह सिखाया था कि हिंदू और मुसलमान धर्म एक दूसरे के विरुद्ध नहीं हैं । विदेशियों की भाषा के प्रभाव से किस तरह उर्दू नाम की एक नई भाषा का जन्म हुआ ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए ।

(क) भारत में विदेशियों के आगमन का भारतीय संस्कृति पर क्या प्रभाव पड़ा?

- (i) हमारी मूल संस्कृति नष्ट हो गई
- (ii) दूसरी संस्कृतियों के प्रभाव से हमारी संस्कृति काफी प्रभावित हुई
- (iii) उपर्युक्त दोनों
- (iv) भारतीय संस्कृति को लोग भूल गए

(ख) विदेशी भारत में अपने साथ क्या लेकर आए?

- (i) अपनी भाषा
 - (ii) अपनी पोशाक
 - (iii) धर्म तथा संस्कृति
 - (iv) उपर्युक्त सभी
-

(ग) हिंदू-मुसलमान धर्म एक-दूसरे के विरुद्ध नहीं हैं। यह किसकी सीख है?

- (i) कबीर की
- (ii) नानक की
- (iii) उपरोक्त दोनों की
- (iv) मुल्ला दाऊद की

(घ) विदेशियों की भाषा के प्रभाव से किस नई भाषा का जन्म हुआ?

- (i) फारसी
- (ii) उर्दू
- (iii) बंगाली
- (iv) अरबी

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शिक्षा विकल्पों में से चुनिए।

- (i) भारतीय संस्कृति
- (ii) भारतीय संस्कृति पर विदेशियों का प्रभाव
- (iii) संस्कृति
- (iv) विदेशियों की देन

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प छांटकर लिखिए।

मेरी तो आदत है
रोशनी जहां भी हो
उसे खोज लाऊंगा
कातरता, चुप्पीया चींखे
या हारे हूँ कीखीज
जहां भी मिलेगी
उन्हें प्यार के सितार पर बजाऊंगा।
जीवन ने कई बार उकसाकर
मुझे अनुल्लंघ्य सागरों में फेंका है।
अगन-भट्टियों में झोंका है,
मैंने वहां भी
ज्योति की मशाल प्राप्त करने के यत्न किए
बचने के नहीं
तो क्या इन टटकी बंदूकों से डर जाऊंगा ?
तुम मुझको दोषी ठहराओ
मैंने तुम्हारे सुनसान का गला घोंटा है
पर मैं गाऊंगा
चाहे इस प्रार्थना सभा में
तुम सब मुझ पर गोलियां चलाओ
मैं मर जाऊंगा
लेकिन मैं कल फिर जन्म लूंगा

कल फिर आऊंगा।

उपर्युक्त काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनें।

(क) समाज की कमजोरियों को गांधीजी प्यार की भाषा देना चाहते हैं?

- (i) कायरता
- (ii) हारने की खींच
- (iii) निराशा
- (iv) उपर्युक्त सभी

(ख) गांधी जी पुनर्जन्म क्यों लेना चाहेंगे?

- (i) बदला लेने के लिए
- (ii) मानवता को उठाने और सहारा देने के लिए
- (iii) निडरता साबित करने के लिए
- (iv) देश को जरूरत है

(ग) इन पंक्तियों में गांधी जी के स्वभावकी कौन-सी विशेषता नहीं है?

- (i) निडरता
- (ii) विरह-भावना
- (iii) अंधेरे में भटकती जनता को मार्ग दिखाना
- (iv) यातनाएँ सहाना

(घ) निम्नलिखित का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। “मैंने तुम्हारे सुनसान का गला घोंटा है।”

- (i) सुनसान जगह पर भी पहुंच जाता हूँ
- (ii) एकांत में रचे षडयंत्रों को भी असफल बनाता हूँ
- (iii) सबकी एकांत प्रियता को नष्ट कर दिया है
- (iv) एकांत में षडयंत्रों को अनदेखा करते हैं।

(ङ) ‘टटकी बंदूक’ से क्या अभिप्राय है?

- (i) बड़ी-बड़ी बन्दूकों से
- (ii) दुश्मन की बंदूक
- (iii) छोटी मोती बन्दुक से
- (iv) मजबूत बंदूक

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प छांटकर लिखिए।

“युग-युग तक चलती रहे कठोर कहानी
रघुकुल में थी एक अभागिन रानी
निज जन्म जन्म में सुने जीव-यह मेरा-
धिक्कार! उसे था महास्वार्थ ने घेरा
“सौ बार धन्य वह एक लाल की माई,
जिस जननी ने है जना भरत-सा भाई”
पागल-सी प्रभु के साथ सभाचिल्लाई
सौं धन्य वह एक लाल की माई।”

उपर्युक्त काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनें ।

(क) रघुकुल में यह अभागिन रानी कौन-सी थी?

- (i) कौशल्या
- (ii) कैकेयी
- (iii) उर्मिला
- (iv) सुमित्रा

(ख) किस जननी ने भरत-सा भाई जना?

- (i) कैकेयी
- (ii) कौशल्या
- (iii) सुमित्रा
- (iv) अन्य

(ग) 'प्रभु' शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है?

- (i) भरत के लिए
- (ii) लक्ष्मण के लिए
- (iii) राम के लिए
- (iv) किसी अन्य के लिए

(घ) धिक्कार उसे था.....पंक्ति में कौन-सा भाव प्रकट हो रहा है?

- (i) प्रेम का
- (ii) प्रायश्चित्त का
- (iii) गर्व का
- (iv) चुप रहने का

(ङ) 'जिस जननी ने है जना भरत-सा भाई'

- (i) श्लेष
- (ii) यमक
- (iii) रूपक
- (iv) अनुप्रास

खण्ड - ख

(व्याकरण)

5. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त मूल शब्द एवं उससे जुड़े उपसर्ग अलग-अलग लिखें ।

- (क) उच्चारण ।
- (ख) सद्धर्म ।
- (ग) दुराग्रह ।
- (घ) सदाचार ।

6. निम्नलिखित विग्रहों के लिए समास का भेद लिखें ।

- (क) तीन लोकों का समूह
 - (ख) चंद्रमा के समान मुख
 - (ग) खूबी के साथ
-

(घ) लोभ और मोह

7. निम्नलिखित के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए --

(क) काश ! मैं गायक होता | वाक्य का भेद निर्धारित करें |

(ख) शायद आज अभय मिले | वाक्य का भेद बताइए |

(ग) काश ! देवकीनंदन हिंदी पढ़ते | वाक्य को प्रश्नवाचक में परिवर्तित कीजिए |

8. निम्नलिखित पद्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों की पहचान कर उनके नाम लिखिए।

(क) नभ पर चमचम चपला चमकी।

(ख) सुवासित भीगी हवाएँ सदा पावन माँ सरीखी।

(ग) नभमंडल छाया मरुस्थल-सा दल बाँध के अँधड़ आवै चला।

(घ) आवत-जात कुंज की गलियन रूप सुधा नित पीजै।

खण्ड - ग

(पाठ्य-पुस्तक)

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

झूरीप्रातः काल सोकर उठा, तो देखा दोनों बैल चरणी पर खड़े हैं | दोनों की गर्दनों में आधागराँव लटक रहा है | घुटने तक पाँव कीचड़ में भरे हैं और दोनों की आंखों में विद्रोहमयस्नेह झलक रहा है | झूरी बैलों को देखकर स्नेह से गदगद हो गया | दोड़कर उन्हें गले लगा लिया | प्रेमालिंगन और चुंबनका वह दृश्य बड़ा ही मनोहर था | घर और गांव के लड़के जमा हो गए और तालियाँ बजा बजाकर उनका स्वागत करने लगे | गांव के इतिहास में यह घटना अभूतपूर्व ना होने पर भी महत्वपूर्ण थी | बालसभा ने निश्चय किया, दोनों पशु वीरों को अभिनंदन, पत्र देना चाहिए | कोई अपने घर से रोटियां लाया, कोई गुड़, कोई चोकर, कोई भूसी |

(क) झूरी ने प्रातः काल क्या देखा ? तथा उस पर क्या प्रतिक्रिया प्रकट की?

(ख) बैलों की दशा कैसी थी?

(ग) बालसभाने क्या निश्चय किया तथा उनके लिए क्या किया?

10. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

(क) प्रेमचंद ने बैल को गधे से नीचे स्थान क्यों दिया है?

(ख) अपनी यात्रा के दौरान लेखक को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

(ग) छदम् आधुनिकता से क्या अभिप्राय है?

(घ) हीरा और मोती गया के यहाँ जाकर विद्रोही क्यों हो गए?

(ङ) 'अतिथि देवो भवः' की भारतीय परिकल्पना तिब्बत में भी प्रचलित है | पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिये |

11. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

मोरपखा सिर ऊपर राखिहीं, गुंज की माल गरे पहिरौंगी।

ओढ़ि पितंबर लै लकुटी बन गोधन ग्वारनि संग फिरौंगी॥

भावतो वोहि मेरो रसखानि सों तेरे कहे सब स्वाँग करौंगी।

या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी॥

(क) उपर्युक्त काव्यांश का भावार्थ लिखे।

(ख) उपर्युक्त काव्यांश का शिल्प सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'भवतो वोही मेरो रसखानि सों' काव्यांश में 'रसखानि' किसे कहा गया है?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर- संक्षेप में लिखिए:

- (क) ज्ञान की आँधी का भक्त के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है?
- (ख) "खा-खाकर कुछ पाएगा नहीं, न खाकर बनेगा अहंकारी।" पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।
- (ग) श्रीकृष्ण का ब्रजमंडल के लोगो पर जादू चलता था। कैसे? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
- (घ) कैदी और कोकिला पाठ में कवि ने किस करनी को काली बताया है और क्यों?
- (ङ) तिनकों पर सूरज के प्रभाव का पाठ ग्राम श्री के आधार पर वर्णन करें।

13. 'सच' अकेलेपन का मजा ही कुछ और है' - इस कथन के आधार पर लेखिका की बहन एवं लेखिका के व्यक्तित्व के बारे में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

खण्ड-घ

('लेखन')

14. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए -

संयुक्त परिवार: एक ज़रूरत

संकेत बिंदु:

- संयुक्त परिवार: का अर्थ
- संयुक्त परिवार से लाभ
- वर्तमान समय में अनिवार्यता
- उपसंहार

15. संपादक के नाम पत्र लिखिए जिसमें आपके क्षेत्र में स्थित पार्क की दुर्दशा के विषय में बताया गया है।

16. सड़कों पर आए दिन आप दुर्घटना को देखते होंगे। सड़कों पर दिन-प्रतिदिन होने वाली घटनाओं पर एक प्रतिवेदन प्रस्तुत कीजिए।
